आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82
(डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 07 (प्रति रविवार) इंदौर, 05 नवंबर से 11 नवंबर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

दो नेता बेटों के लिए फाड़ रहे कपड़े-पीएम मोदी

रतलाम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रतलाम में कांग्रेस को परिवारवाद पर घेरा। उन्होंने दिग्विजय और कमलनाथ का नाम लिए बिना कहा, यहां कांग्रेस के दो नेताओं के बीच कपड़े फाडने का कॉम्पिटीशन चल रहा है। ये सीएम की कुर्सी के लिए नहीं लड़ रहे। किसका बेटा मप्र कांग्रेस पर कब्जा करेगा लड़ाई इसी बात की है। कांग्रेस सिर्फ परिवारवाद का परचम लहरा सकती है। रतलाम के बंजली मैदान में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब 3 दिसंबर को भाजपा सरकार की वापसी का जश्न मनेगा तो लड्डू के साथ रतलामी सेव भी खाया जाएगा। मप्र के मन में मोदी है, मोदी के मन में मप्र है। जो लोग दिल्ली में बैठकर गुणा-भाग करते हैं, उनका हिसाब-किताब बदल जाएगा।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस के पास झूठी घोषणाओं का भोंपू बच गया है। विकास का ठोस रोडमैप कांग्रेस को पता नहीं। कांग्रेस के नेता, डायलॉग, घोषणाएं फिल्मी हैं। जब किरदार फिल्मी हैं, तो सीन भी फिल्मी होगा। मप्र का परचम लहराना कांग्रेस के बस की बात नहीं। राज्य में घोटाले, अपराधियों का बोलबाला, गरीबों से विश्वासघात, दलित-पिछड़ों-आदिवासियों से अत्याचार, राज्य को बीमार बनाने की गारंटी। ये अपने-अपने चेलों को बताते हैं कि एक बार मौका मिल गया तो इसके बाद ये खुद के कपड़े फाड़ेंगे, आपके भी फाड़ेंगे।

मुफ्त राशन योजना 5 साल के लिए बढ़ाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका सपना ही मोदी का संकल्प है, यह मेरी गारंटी है। मुफ्त राशन योजना (प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना) को आने वाले 5 साल के लिए बढ़ाया जाएगा। यह मेरी गारंटी है। मोदी जब गारंटी देता है तो गारंटी पूरी करने की गारंटी भी देता है। उन्होंने कहा कि देश की पहली आदिवासी राष्ट्पति का कांग्रेस ने विरोध किया। भाजपा के पुराने नेता को उनके खिलाफ उतारा। यह दिखाया कि आदिवासी बेटी को रोकने के लिए कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। खडगे ने आज डिंडौरी में कहा- मुर्मू आदिवासी हैं, इसीलिए पार्लियामेंट का उद्घाटन नहीं कराया।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा

विधायिका अदालत का फैसला खारिज नहीं कर सकती, नया नियम बना सकती है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कोर्ट का फैसला खारिज नहीं किया जा सकता। विधायिका किसी फैसले में कमी को दूर करने के लिए नया नियम बना सकती है। एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में शनिवार को सीजेआई ने कोर्ट और कानून से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जज जब किसी मामले में फैसला देते हैं तो वो ये नहीं सोचते कि समाज और लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे। एक चुनी हुई सरकार और न्यायपालिका में यही अंतर होता है।

साथ ही, सीजेआई ने ज्यूडीशरी सिस्टम में महिलाओं के समान मौके देने और ज्यूडीशियल सिस्टम के प्रवेश स्तर पर स्ट्रक्चरल दिक्कतें होने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमें इन्क्लुसिव सेंस में योग्यता को फिर से डिफाइन करने की जरुरत है। यदि सभी को समान अवसर मिलेंगे तो और भी महिलाएं ज्यूडीशरी में आएंगी।

जज संवैधानिक नैतिकता से बंधे, समाजिक से नहीं-सीजेआई ने कहा कि यदि कोई आदेश किसी कानून में कमी या किसी मुद्दे को तय करता है तो इस में सरकार को छूट होती है कि उस कमी को दूर करने के लिए वो नया कानून बनाए। सरकार ये कभी नहीं कह सकती है कि कोई फैसला गलत है तो हम इसे खारिज करते हैं। सराकर कभी किसी फैसले को खारिज नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि किसी मामले में फैसला करने के दौरान जज संवैधानिक नैतिकता में बंधे होते है न कि समाजिक नैतिकता में। हमने इस साल लगभग 72 हजार मामलों में फैसले दिए हैं और अभी डेढ़ महीने और हैं।

प्रदूषण से दिल्ली को बचाने के लिए 5 सौ से ज्यादा टीमें संभालेंगी मोर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बिना मास्क के निकलना खतरे से खाली नहीं है। खांसी और सांस से जुड़ी तकलीफों के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। हालातों के निपटने के लिए प्रयास किए जा रहे है,ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के कारण एयर प्यूरीफायर और मास्क की मांग बढ़ गई है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अपनी कार्य योजना के तहत खुले में कूड़ा जलाने, अवैध निर्माण और विध्वंस, डंपिंग और सड़कों पर धूल पर नजर रखने के लिए 1,119 अधिकारियों की 517 निगरानी टीमों का गठन किया है। इसमें कहा गया है कि जोनल अधिकारियों को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी संशोधित जीआरएपी के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करवाने का निर्देश दिया है।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के बीच पेड़ों की कटाई को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने वन विभाग को फटकार लगाई।जस्टिस जसमीत सिंह ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वन विभाग के ढुलमुल रवैये के कारण शहर में वायु की गुणवत्ता जहरीली हो चुकी है और एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है! अदालत ने कहा कि वन विभाग के गुपचुप और रूढ़िवादी आदेशों के तहत दिल्ली में पेड़ों की कटाई हो रही है। जज ने कहा, आप चाहते हैं कि लोग गैस चैंबरों में रहें आज दिल्लीवासी प्रदूषण के कारण जिस परेशानी में हैं, उसके लिए आप जिम्मेदार हैं। ऐसी मशीनें हैं जो हवा की गुणवत्ता रिकॉर्ड करती हैं। ये मशीनें अधिकतम 999 रिकॉर्ड कर सकती हैं। आज, हम इस आंकड़े को छू रहे हैं। यह (अधिकारियों के बीच) संवेदनशीलता की कमी के कारण हुआ है।

दिल्ली हाई कोर्ट बिना कारण बताए पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए दिल्ली वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

संपादकीय

राजा भोज और गंगू तेली के बीच में फंसा पांच राज्यों का चुनाव

कहानी की किताबों में राजा भोज और गंगू तेली की कहानी पढ़ने को मिलती है। जिसमें राजा भोज और गंगू तेली का कोई मुकाबला नहीं होता है।कुछ इसी तरीके की स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में देखने को मिल रही है। कांग्रेस शासित राज्य,मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान तथा दक्षिण का राज्य तेलंगाना मे कांग्रेस पार्टी,पाई - पाई के लिए तरस रही है।जहां-जहां से कांग्रेस पार्टी को चुनाव का चंदा मिलता था। चुनाव के लिए जो आर्थिक सहायता मिलती थी। उन सभी के द्वार बंद कर दिए गए हैं। जो भी संस्थान कांग्रेस की मदद करने की भावना से आगे आता है, दूसरे दिन उसके यहां ईड़ी का छापा पड़ जाता है। कांग्रेस पार्टी अभी तक के अपने सबसे खराब आर्थिक दौर से गुजर रही है।इसका कारण केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का खौफ है? जो कारोबारी, बड़ी छोटी कंपनियां, और बड़े-बड़े सेठ साहूकार,ठेकेदार जो कांग्रेस को परंपरागत आर्थिक सहायता देते थे, उन सबके यहां पिछले तीन-चार महीने से लगातार छापे डाले जा रहे हैं। आयकर विभाग और ईड़ी के अधिकारी लगातार सक्रिय हैं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का भय इतना ज्यादा हो गया है, कि कांग्रेस नेताओं से बात करने में भी अब कारोबारी, कंपनी के निदेशक और अन्य लोग डरने लगे है।कहीं उनकी बातें कोई सुन ना रहा हो।बैंकों से भी लोग पैसे निकालने से डर रहे हैं।50000 रूपये से ऊपर जैसे ही बैंक से चेक द्वारा अथवा नगद राशि का भुगतान करते हैं।इसकी सूचना ईड़ी और आयकर विभाग तक पहुंच जाती है। छापे के कारण कांग्रेस नेताओं ने अपने पास पैसा भी नहीं रखा था, नाही चुनाव के पहले चंदा एकत्रित किया था। ऐन चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों को जो आर्थिक सहायता चुनाव प्रचार करने के लिए पार्टी की ओर से देती थी, वह भी कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को नहीं दे पा रही है। पार्टी के पास जरूरी खर्च के लिए पैसे नहीं है। ऐसी स्थिति कांग्रेस की इसके पूर्व कभी भी नहीं हुई। जिस तरह की आर्थिक स्थिति वर्तमान में हो गई है। कहा जा रहा है कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के चारों ओर एक ऐसा शिकंजा कस दिया गया है, कि वह भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ऊपर ईड़ी ने पहले से ही शिकंजा कस रखा है। उनके सभी सहयोगियों और आसपास के लोगों पर लगातार छापे डाले जा रहे हैं। कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार है। वहां पर भी ईड़ी लगातार छापे डाल रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपनी और अपनों की रक्षा करने के लिए यहां से वहाँ भाग रहे हैं।कांग्रेस को परंपरागत रूप से जो आर्थिक सहायता जहां-तहां से मिलती थी, उसे सुनियोजित तरीके से रोक दिया गया है। अब कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है, कि चुनाव के 15 दिन बचे हैं। वह किस तरह से चुनाव लड़े। चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों को किस तरह से आर्थिक मदद पहुंचाएं। एक ही तरीका रह गया है, कि कांग्रेस को चुनाव लड़ना है, तो वह जनता के बीच में जाकर वोट के साथ नोट के लिए भी झोली फैलाए। जनता से वोट के साथ नोट भी मांगे। जो जनता कांग्रेस का समर्थन कर रही है। वह वोट भी देगी, और नोट भी देगी। तभी जाकर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की वैतरणी पार हो सकती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखकर यही कहा जा रहा है, कि पांच राज्यों के चुनाव का मुकाबला गंगू तेली और राजा भोज के बीच का है। राजा भोज आर्थिक दृष्टि से संपन्न है। गंगू तेली खली से तेल निकालकर जो तेल इकट्ठा हो रहा है, उसी में चुनाव लड़ना उसकी विवशता है। इस स्थिति में भी यदि गंगू तेली जीत गया, तो बड़े आश्चर्य और चमत्कार की बात होगी।

फोन 'हैक' की राजनीतिः आक्रामकता की बजाय संयम जरूरी

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लगातार आक्रामक होने के मध्य में देश के कुछ प्रमुख विपक्षी नेताओं के आईफोन पर निगरानी किये जाने का मामला एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर रहा है। इसे सरकार प्रायोजित बताकर सरकार को घेरने की कोशिशें भी एकाएक उग्र हो गयी है। एप्पल कम्पनी ने इन फोन धारकों को ईमेल सन्देश भेज कर लिखा है कि आपके फोन को किसी 'मालवेयर वायरस' से सरकार द्वारा सर्वेक्षण में रखा जा रहा है जिसके माध्यम से आपकी सारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। मगर इसके साथ ही सरकार ने ऐसी किसी कार्वाई से इन्कार करते हुए पूरे मामले की सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय की संसदीय समिति से जांच कराने की घोषणा कर दी है और कहा है कि ऐसा ही एक ई-मेल सन्देश वाणिज्य मन्त्री पीयूष गोयल को भी आया है। फोनों पर निगरानी का आरोप सरकार के लिए भी गंभीर चिन्ता का विषय है क्योंकि यह ऐसा मामला है जिसमें सत्ता से बेदखल होने जैसी स्थितियां बनती है। जब तक मामले की पूरी जांच नहीं हो जाती, किसी को भी दोषी ठहराना जल्दीबाजी होगी। पक्ष-विपक्षी दल चुनावी माहौल को धुंधलाने या विवादास्पद बनाने की बजाय उसे स्वस्थ बनाने में सहयोग करें, यह स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी की स्वतंत्रता का हनन लोकतंत्र की पवित्रता को ही समाप्त कर देती है।

निश्चित ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की ओर से विपक्षी नेताओं की निजता भंग करने का कोई भी मामला सामने आता है, तो स्वाभाविक ही सरकार को घेरा जाना चाहिए एवं जबाव मांगा जाना चाहिए। लेकिन बिना बुनियाद के ऐसे विवाद खड़े करना उचित नहीं है। अच्छी बात इस मामले में यह है कि सरकार ने इन आरोपों को पूरी गंभीरता से लिया है और तत्परता से निर्णय लेते हुए न केवल पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं बल्कि आईफोन कंपनी से भी जांच में शामिल होने को कहा गया है। सभी पक्षों के लिए जरूरी है कि निष्कर्ष निकालने की जल्दबाजी करने के बजाय मामले की बारीक और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित करने में सहयोग करें। यह न केवल विपक्षी दलों के नेताओं की निजता से जुड़ा मामला है बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं प्रतिबद्धता का भी मामला है।

हालांकि यह साफ करना भी जरूरी है कि मौजूदा मामले में अभी बात सिर्फ संदेह की है। आईफोन पर ऐपल की ओर से भेजे गए ये मेसेज ऑटो जेनेरेटेड थे, जिनकी प्रामाणिकता को लेकर कंपनी भी आश्वस्त नहीं है। उसका कहना है कि इनमें से कुछ मेसेज फॉल्स अलार्म के भी हो सकते हैं। इसके बावजूद विपक्षी नेताओं की आशंकाएं निराधार है या आधारभूत है, यह तो जांच के निष्कर्षों से ही पता लगेगा। मेसेज विपक्षी दलों के नेताओं और कुछ सत्ता विरोधी माने जाने वाले पत्रकारों के ही फोन पर आने का आरोप निराधार है क्योंकि ऐसा ही मेसेज एक केन्द्रीय मंत्री को भी मिला है। सूचना टैक्नोलॉजी क्रान्ति होने के बाद चीजें काफी बदल चुकी हैं अतः आरोपों का स्वरूप भी बदल चुका है। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी देशवासियों ने 'पेगासस' वायरस का पूरा कर्मकांड देखा है जिसकी जांच सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित एक विशेष समिति ने की थी। इस मामले को लेकर दो साल पहले संसद में भी जमकर हंगामा हुआ था। लेकिन उसमें आरोप सिद्ध नहीं हो पाये थे। ऐसे में जब विपक्षी नेताओं के फोन की हैकिंग का यह नया आरोप लगा है तो उसे पूरी गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए सत्य के उजागर होने तक इंतजार करना चाहिए। सरकार की तरफ से यह भी कहा गया है कि वह पूरे प्रकरण की जांच में एप्पल कम्पनी के उच्च पदाधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। इस मामले में मूल सवाल निजी स्वतन्त्रता का उठता है जिसे सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों का मूल अधिकार मान चुका है। लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी को लिखने, बोलने, सोचने और करने की स्वतंत्रता होती है।

आईटी मंत्रालय के सूत्रों ने कहा है कि केंद्रीय ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम) आईफोन 'हैकिंग' प्रयासों के विपक्ष के दावे की जांच करेगी और वही हैकिंग और फ़िशिंग जैसे साइबर सुरक्षा खतरों का जवाब देने के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय एजेंसी है। महुआ मोइत्रा, प्रियंका चतुर्वेदी, राघव चड्ढा, शशि थरूर, पवन खेड़ा और सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हें एप्पल अलर्ट मिला है जिसमें उनके आईफोन में राज्य प्रायोजित हैकिंग की चेतावनी दी गई है। आईफोन निर्माता एप्पल ने मंगलवार को कहा था कि वह विपक्षी दलों के कुछ सांसदों को भेजे गए चेतावनी संदेश को किसी विशिष्ट सरकार-प्रायोजित सेंधमारों से नहीं जोड़ती और वह इस बारे में जानकारी नहीं दे सकती है कि ऐसी चेतावनियों का कारण क्या है। कारणों का पता तो विस्तृत जांच के बाद ही सामने आयेगा, तब तक पक्ष एवं विपक्ष को शांत रहते हुए विवेक का परिचय देना चाहिए। क्योंकि यह भारत, भारतीय लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के व्यवस्थित संचालन से जुड़ा मामला है। ताजा मामला इसलिये भी बहुत गंभीर है क्योंकि ऐसे मामलों में सत्ताएं बदलती देखी गयी है। इसलिये ऐसे मामलों एवं आरोपों में गंभीरता बरतना जरूरी है।

इस तरह के राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों के निजता भंग के कम उदाहरण ही भारत में देखने को मिले हैं लेकिन जब भी किसी सरकार पर इस प्रकार के आरोप लगे तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी है। सबसे बड़ा उदाहरण 80 के दशक का है जब कर्नाटक की वीरप्पा मोइली सरकार 'टेप कांड' में फंस गई थी तो उसे सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। डा. मनमोहन सिंह सरकार पर भी फोन टेप करने के आरोप लगे थे। पूरी दुनिया का सबसे सशक्त और उदार लोकतन्त्र माने जाने वाले अमेरिका के वाटर गेट कांड में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने अपनी प्रतिद्वन्द्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के मुख्यालय पर जासूसी यन्त्र लगा कर उसकी गतिविधियों को जानने की कोशिश की थी। निक्सन भले ही इस मामले पर लम्बी टालमटोल करते रहे हो मगर भारत सरकार ने तो एप्पल फोन कांड का भंडाफोड़ होते ही इसकी जांच कराने की घोषणा कर दूध का दूध, पानी का पानी करने की अपनी संकल्पबद्धता दर्शा दी है। इस हकीकत को भी हमें ध्यान में रखकर ही इस मामले में और टीका-टिप्पणी करनी होगी।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित, निष्पक्ष एवं आदर्श तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने, गतिविधियों को संचालित करने की पूरी स्वतंत्रता है। लोकतंत्र की नींव ही निजता की सुरक्षा करने के सिद्धान्तों पर टिकी है, इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक संविधान के दायरे में स्वयंभू होता है। अतः इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं की चिन्ता वाजिब मानी जा सकती है मगर इसके साथ ही सरकार की तरफ से तत्परता से व्यक्त इस मामले में संलिप्त न होने की साफगोई बयान को भी नजरदाज नहीं किया जा सकता। यदि सरकार ने इस मामले में तुरन्त कार्वाई की है तो उसकी नीयत पर भी शक करने की कोई वजह दृष्टिगोचर नहीं होती। सरकार किसी की भी निजता को भंग करने का आरोप स्वयं कर लगता हुआ देख बिन बुलाये संकट को कैसे आमंत्रित कर सकती है? क्योंकि इस तरह का कोई भी काम पूर्ण रूप से असंवैधानिक व गैर कानूनी होती है। ऐसी अराजकता, अव्यवस्था एवं एकाधिपत्य लोकतंत्र का ही विलुप्त कर सकता है।

महिला विरोधी मानसिकता एक बार फिर आई सामने

कांग्रेस सरकार बनने पर लाड़ली बहना योजना को करेंगे बंद-जीतू पटवारी

एक सभा में कहा कि लाड़ली बहना योजना, सीखो कमाओ योजना समेत अन्य योजनाओं को कर देंगे बंद, महिलाओं को कह चुके हैं लालची

इंदौर। महिलाएं चुनावों में 200-500 रुपए लेती हैं और उन्हें अपने ब्लाउज में छिपा लेती हैं... जैसे विवादित बयान से महिलाओं को लालची कहकर उनका अपमान करने वाले कांग्रेस नेता जीतू पटवारी की महिला विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आई है। कांग्रेस नेता ने एक जनसभा में कहा कि प्रदेश में उनकी सरकार बनते ही सबसे पहले शिवराज सरकार की महिलाओं के लिए शुरू की गई लाड़ली बहना योजना को बंद किया जाएगा। क्योंकि यह योजना बेफिजूल की है और इससे सरकारी धन का अपव्यय हो रहा है।

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले की राऊ विधानसभा से कांग्रेस नेता जीतू पटवारी लगातार दो बार से विधायक हैं। वो तीसरी बार कांग्रेस की तरफ से मैदान में उतरें हैं। जीतू पटवारी को मध्य प्रदेश में राहुल गांधी के करीबियों में गिना जाता है। कमलनाथ से अदावत के कारण आए दिन अपने बयानों से सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन इस बार जीतू पटवारी किसी अन्य वजह से चर्चा में हैं।

जानकारी के मुताबिक सोमवार को जीतू पटवारी राऊ विधानसभा में चुनाव प्रचार कर रहे थे। क्षेत्र में एक जनसभा में कांग्रेस की गारंटियों को गिनाते गिनाते शिवराज सरकार की कई योजनाओं पर सवाल उठा दिया। जीतू पटवारी ने कहा कि मौजूदा सरकार की कई योजनाएं बेफिजूल की हैं। कांग्रेस की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में लाड़ली बहना योजना को बंद करने के लिए कदम उठाया जाएगा। क्योंकि इस योजना में सबसे ज्यादा सरकारी धन की बर्बादी हो रही है। महिलाओं को आर्थिक मदद देने से प्रदेश की महिलाओं की गरीबी कम नहीं होगी। सरकार द्वारा लाड़ली बहना योजना के नाम पर महिलाओं को जो रुपये दिए जा रहे हैं उनका महिलाएं बेफिजूल के कामों में खर्च कर देती हैं। इतना ही नहीं जीतू पटवारी ने शिवराज सरकार की युवाओं के लिए शुरू की गई सीखो कमाओ योजना को भी कठघरे में खड़ा किया। कहा कि सीखो कमाओ योजना की प्रदेश में कोई जरुरत नहीं है। इस योजना में सिर्फ धन की अपव्यय हो रहा है। उनका तर्क था कि पढ़ाई के दौरान अगर युवाओं के हाथ में रुपये आ जाएंगे तो उनका फिर पढ़ाई में मन नहीं लगेगा। इसलिए कांग्रेस की सरकार बनने पर ऐसी योजनाओं को तत्काल बंद किया जाएगा, और युवाओं के लिए दूसरी योजना शुरू की जाएगी। जीतू पटवारी ने इस दौरान आदिवासियों को लिए शुरू की गई भी कई योजनाओं को भी बंद करने की बात कही है।

राहगीर से विवाद करने वाले दो आरोपितों को पुलिस आयुक्त ने दी कड़ी सजा

आरोपित छह महीने तक न कार-बाइक चलाएंगे, न उन पर बैठेंगे

इंदौर। राहगीर से विवाद करने वाले दो आरोपितों को मध्य प्रदेश के इंदौर में पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर ने ऐसी कड़ी सजा दी है, जो नजीर बन सकती है। आरोपित शहनवाज अंसार शाह और सलमान शाकिर पर दो व चार पहिया वाहन चलाने और उन पर बैठने पर छह महीने तक के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस कमिश्नर ने आदेश में यह भी लिखा कि आरोपितों ने आदेशों की अवलेहना की या किसी ने उनकी मदद की तो उसके विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई होगी।

उन्होंने टीआइ को मुनादी से जनता को अवगत करवाने के लिए कहा है। इंदौर के विजय नगर थाने की पुलिस ने छह सितंबर को अर्चित मेहता की शिकायत पर शहनवाज और सलमान के विरुद्ध केस दर्ज किया था। अर्चित पत्नी के साथ अनुराग नगर जा रहे थे। बाइक सवार दोनों आरोपितों ने अर्चित की कार को टक्कर मारी और कार में तोड़फोड़ करते हुए पत्थर मारकर कांच तोड़ डाले। इस मामले में मंगलवार को पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर ने मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3(1)(क)(ग) के तहत आदेश जारी करते हुए कहा कि दोनों आरोपित छह माह की अवधि के लिए स्वयं अथवा किसी अन्य का दोपहिया और चार पहिया वाहन का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इस अवधि में वे स्वयं अथवा किसी अन्य के दो और चार पहिया वाहन पर न आगे और न ही पीछे बैठेंगे।

उनकी मदद करने वालों को भी राज्य सुरक्षा कानून अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। आपातकाल स्थिति में लोक परिवहन का उपयोग करेंगे आदेश के मुताबिक, आरोपितों को जीवनयापन के लिए काम पर आने-जाने व आपातकालीन स्थिति में आवागमन करने के लिए लोक परिवहन का उपयोग करने आदेश दिए गए हैं। एंबुलेंस का उपयोग करने की भी छूट प्रदान की गई है।

आरोपितों के विरुद्ध मारपीट, तोड़फोड़ और अड़ीबाजी का केस दर्ज हुआ था। जोन-2 के डीसीपी द्वारा रासुका के तहत सीपी (पुलिस कमिश्नर) कोर्ट में प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। डीसीपी ने कहा कि आरोपितों का आतंक है। इनके विरुद्ध कोई रिपोर्ट भी नहीं लिखवाता है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट दीपावली बाद, एजेंसी ही करेंगी मूल्यांकन

इंदौर। डेढ़ साल बाद देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा करवाई गई है। डाक्टरल एंट्रेंस टेस्ट (डीईटी) की माडल आंसरशीट अगले सप्ताह विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इसके बाद प्रश्नों-जवाब पर उम्मीदवारों से आपत्ति बुलवाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तीन से चार दिन का समय देंगी। उम्मीदवारों की आपत्तियों का मूल्यांकन किया जाएगा। उसके बाद उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह काम भी एमपी आनलाइन को दिया गया है। परिणाम भी एजेंसी जारी करेंगी, लेकिन उस प्रक्रिया को विश्वविद्यालय अपने स्तर से निगरानी करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, कर्मचारियों की निर्वाचन कार्यों में ड्यूटी आई है। साथ ही दीपावली को लेकर छुट्टियां भी है। इसके चलते रिजल्ट 12 नवंबर बाद घोषित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने माडल आंसरशीट के लिए 7 नवंबर तक का समय दिया

38 संकाय में पीएचडी की 669 सीटें है। 2700 उम्मीदवार ने डीईटी परीक्षा दी, जिसमें इंदौर, भोपाल, उज्जैन, सतना, जबलपुर, ग्वालियर से परीक्षा देने पहुंचे थे। अब एमपी आनलाइन माडल आंसरशीट तैयार करने में लगे है। विश्वविद्यालय ने सात नवंबर तक का समय दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, आंसरशीट पर आपत्ति लेने के लिए उम्मीदवार को संबंधित प्रश्न से जुड़े दस्तावेज भी जमा करना होंगे।

निर्वाचन ड्यूटी में लगे अधिकारी-कर्मचारी डाक मतपत्र से कर सकेंगे मतदान

इंदौर। इंदौर जिले में विधानसभा निर्वाचन की व्यापक तैयारियां जारी हैं। विधानसभा निर्वाचन के मतदान दलों मे नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, सेक्टर अधिकारी, बीएलओ, ड्रायवर, कंडक्टर आदि डाक मतपत्र से अपना मतदान कर सकेंगे। इसके लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इलैयाराजा टी के निर्देशन में सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिये फेसिलिटेशन सेंटर बनाये गये हैं। यह सेंटर होल्कर साइंस कॉलेज के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भवन में रहेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार डाक मतपत्र से मतदान की कार्यवाही 8 नवम्बर से 11 नवम्बर तक सुबह 9 बजे शाम 5 बजे तक चलेगी। बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र देपालपुर, इंदौर-1 तथा इंदौर-2 का फेसिलिटेशन सेंटर ग्राउंड फ्लोर (भू-तल) पर रहेगा।

निगम चुनाव में बागी लड़ने वाले भाजपाइयों

इंदौर। नगर निगम चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज बागी के तौर पर अपनी ही पार्टी के खिलाफ लड़े नेताओं को अब वापस पार्टी में लिया जा रहा है। पिछले दिनों एक नंबर में दो भाजपाइयों की वापसी के बाद अब कल पांच नंबर में भी चुनाव लड़े भाजपाइयों की वापसी हो गई। इसके पहले हार्डिया ने मुकेश राजावत को पार्टी ने अपना चुनाव संचालक बना दिया और चुनाव की पूरी कमान उनके हाथों में सौंप दी है। बाबा के टिकट को लेकर रमेश भारद्वाज भी विरोधी थे,

लेकिन इस बीच उन्हें पार्टी ने विधानसभा संयोजक बना दिया था, लेकिन उन्हें उस पद से संगठन ने हटा दिया है होलासराय सोनी को ये जवाबदारी दी है। विधायक हार्डिया ने वार्ड क्रमांक 24 से चुनाव लड़ चुके राकेश कैरो, रमन करो, जमुना कुन्हारे, पूर्व पार्षद प्रेम जारवाल, राकेश गोयल को फिर से भाजपा में ले लिया। बताया जा रहा है कि इसकी जानकारी पहले ही संगठन को दे दी थी, उसके बाद उनका निष्कासन संगठन की सहमति से ही रद्द कर उन्हें वापस भाजपा की सदस्यता दिला दी। राकेश और रमन अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज कैरो के रिश्तेदार हैं और पिछली बार चुनाव लड़े थे। यहां से भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सविता अखंड इसी कारण चुनाव हार गई थी।

कमलनाथ ने मध्य प्रदेश की बहनों को लिखा पत्र

सरकार बनते ही सबसे पहले नारी सम्मान योजना के आदेश पर साइन करूंगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनैतिक दलों ने चुनावी वादों की झड़ी लगा दी है। इसी बीच एक बार फिर पीसीसी चीफ एवं पूर्व सीएम कमलनाथ ने प्रदेश की बहनों को पत्र लिखा है। कमलनाथ ने पत्र में लिखा कि अगर आप किसी वजह कांग्रेस पार्टी का नारी सम्मान योजना का फॉर्म नहीं भर पाई है तो भी कोई बात नहीं। आप फिर भी नियमानुसार इसकी पात्र रहेगी। कमलनाथ ने बहनों को वचन दिया कि अगर सरकार बनी तो सबसे पहले नारी सम्मान योजना के तहत आपको 1500 मिलने वाली योजना के आदेश पर साइन करूंगा। साथ ही 500 में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। 100 यूनिट तक बिजली बिल माफ और 200 यूनिट तक बिजली का बिल हाफ किया जाएगा। कमलनाथ ने कहा कि यह पत्र मेरे हस्ताक्षर से जारी हुआ है। आप इसकी फोटो कॉपी या इसकी फोटो संभाल कर रख लें, यह मेरी गारंटी और वचन है।

जगदलपुर के लालबाग मैदान में राहुल बोले

आदिवासियों को जानवर समझते हैं भाजपा के लोग

भाजपा आदिवासियों से जल-जंगल और जमीन का हक छीनना चाहती है

जगदलपुर। राहुल गांधी ने शनिवार को जगदलपुर के लालबाग मैदान में सभा की। उनके भाषण का पूरा फोकस आदिवासियों पर रहा। उन्होंने कहा कि, भाजपा के जो नेता हैं वह आदिवासियों को वनवासी कहते हैं। आदिवासियों के लिए आरएसएस और भाजपा ने वनवासी शब्द निकाला है। लेकिन इसमें बहुत अंतर है।

राहुल ने आगे कहा के पीएम मोदी कहते हैं कि देश में सिर्फ एक जाति है वह है गरीब। अगर ऐसा है तो मोदी जी खुद को ओबीसी क्यों कहते हैं हमने आदिवासियों की जमीनें वापस दिलाई, आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन का हक दिलाया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने फिर अडानी को पीएम मोदी का मित्र बताते हुए भाजपा को घेरा।

देश के असली मालिक हैं आदिवासी

आदिवासी शब्द का मतलब है कि देश के पहले और असली मालिक। देश के जंगल, जमीन और जल आपके थे जिसे आपके हाथों से भाजपा ने लिया है। इसलिए भाजपा के लोग आदिवासियों को वनवासी कहकर संबोधित करती है। वनवासी शब्द कांग्रेस कभी नहीं स्वीकार कर सकती है। हम ट्राइबल बिल लेकर आए, पेसा कानून लेकर आए, जमीन अधिग्रहण बिल लेकर आए उसमें हमने साफ लिखा था कि, जबतक आदिवासियों की ग्राम सभा इजाजत नहीं देगी तब तक कोई भी आदिवासियों की जमीन नहीं ले सकता है। अगर 5 साल के अंदर किसी इंडस्ट्रियल ने अपना बिजनेस शुरू नहीं किया, तो आदिवासियों को जमीन वापस कर दी जाएगी।

-मोदी जी के सबसे बड़े मित्र हैं अडानी

मोदी जी के सबसे बड़े मित्र अडानी जी का यहां आयरन ओर माइनिंग का प्रोजेक्ट था। अरबपति हैं मोदीजी के मित्र हैं। लेकिन कांग्रेस ने उनका प्रोजेक्ट कैंसिल कर के दिखा दिया। हमारे आदिवासी भाई-बहनों ने कहा कि, हमें ये प्रोजेक्ट यहां नहीं चाहिए। क्योंकि आप वनवासी नहीं आदिवासी हो। छत्तीसगढ़ की जमीन आपकी है और इसका हक आपको मिलना चाहिए। मोदीजी ने अपने भाषण में यह कहा कि, हिंदुस्तान में सिर्फ एक जात है वह है गरीब।

अकील की पारिवारिक की कलह में भोपाल उत्तर विधानसभा में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ी

आमिर, नासिर, सऊद बिगाड़ेंगे कांग्रेस का गणित

भोपाल। नामांकन वापसी के बाद भोपाल जिले के सात विधानसभा सीटों पर 96 उम्मीदवार चुनाव मैदान में बचे हैं। इस बीच भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने डैमेज कंट्रोल कर लिया है। कांग्रेस यहां बगावती तेवर दिखा रहे पूर्व विधायक जितेंद्र डागा को मनाने में सफल हो गई है। लेकिन कांग्रेस का अभेद्य किला मानी जाने वली भोपाल उत्तर विधानसभा सीट पर बागियों ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यहां मौजूदा कांग्रेस विधायक आरिफ अकील के बेटे आतिफ अकील के सामने चाचा आमिर अकील और नासिर इस्लाम ने बतौर निर्दलीय उम्मीदवार ताल

ठोककर कांग्रेस की जीत में रोड़े अटका दिए हैं। कहने का मतलब है कि कांग्रेस की कलह ने किसी हद तक भाजपा उम्मीदवार आलोक शर्मा की जीत की राह आसान कर दी है।

जानकारी के अनुसार आमिर के समर्थन में दो पूर्व पार्षद अब्दुल शफीक और मोहम्मद सऊद ने अपने नामांकन वापस ले लिए। दोनों पूर्व पार्षदों ने आमिर के लिए प्रचार करने की बात कही है। इसके साथ उन्होंने दावा किया कि भोपाल उत्तर विधानसभा में अब आमिर अकील और भाजपा के बीच ही मुख्य मुकाबला होगा। कांग्रेस तीसरे नंबर पर रहेगी। हालांकि, इस सीट पर आप के उम्मीदवार मोहम्मद सऊद भी मुस्लिमों का प्रभावी चेहरा होने से कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। राजनीतिक विज्ञानियों का कहना है कि कांग्रेस उम्मीदवार आतिफ अकील को जितनी बड़ी चुनौती कांग्रेस के बागी चाचा आमिर अकील और नासिर इस्लाम से है, उससे कहीं बड़ी दिक्कत मोहम्मद सऊद बन गए हैं।

गोविंदपुरा में भी कांग्रेस मुश्किल में

भोपाल की गोविंदपुरा सीट से निर्दलीय उतरे कांग्रेस के प्रदेश सचिव पक्ष खामरा ने न सिर्फ नामांकन वापस ले लिया, बल्कि भाजपा का दामन थाम लिया है। खामरा कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज थे। इस सीट पर भाजपा की मौजूदा विधायक एवं उम्मीदवार कृष्णा गौर के सामने कांग्रेस ने रवींद्र साहू को अपना उम्मीदवार बनाया है।

विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज

निशा बांगरे को बनाया प्रदेश महामंत्री, करेंगी चुनाव प्रचार

भोपाल। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज नेता पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के साथ भितरघात न कर दें, इसके लिए कांग्रेस नाराज नेताओं को मनाने की हर संभव कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने टिकट न मिलने नाराज पूर्व डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे के गुस्से पर पानी डालने के लिए उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाने का ऐलान किया है। निशा बांगरे अब कांग्रेस का प्रदेश में मोर्चा संभालेंगी और कांग्रेस का प्रचार करने चुनाव के मैदान में उतरेंगी।

हम बता दें कि पूर्व डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे ने नौकरी से इस्तीफा देकर बैतूल की आमला विधानसभा सीट से चुनाव लडने् की मंशा जताई थी। कांग्रेस ने इस सीट पर उम्मीदवार के नाम को होल्ड भी किया था। लेकिन सरकार ने डिप्टी कलेक्टर पद से निशा बांगरे का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। इस बीच कांग्रेस ने आमला सीट पर मनोज मालवे को उम्मीदवार घोषित कर दिया। लेकिन जैसे ही कांग्रेस ने मनोज मालवे को उम्मीदवार घोषित किया, सरकार ने निशा बांगरे का इस्तीफा मंजूर कर लिया। इसके बाद असमंजस में पड़ी निशा बांगरे ने चुनाव लडने् का ऐलान कर दिया। लेकिन कमलनाथ से मुलाकात के बाद निशा बांगरे ने अपना मन बदल लिया और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। अब कांग्रेस ने उन्हें प्रदेश महामंत्री बनाने का ऐलान किया। इसके पहले कांग्रेस ने निवाड़ी से टिकट न मिलने से बागी हो रहीं रोशनी यादव को प्रदेश कांग्रेस महामंत्री बनाया था।

नड्डा के आगमन के साथ भाजपा के स्टार प्रचारक चुनाव मैदान में उतरे

भोपाल,। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ 14 दिन बाकी बचे हैं। इस बीच भाजपा और कांग्रेस ने ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार की तैयारी की है। भाजपा के तूफानी प्रचार का आगाज 4 नवंबर को स्टार प्रचारक पीएम नरेंद्र मोदी के रतलाम आगमन से प्रारंभ होगा। इसके बाद पीएम मोदी मप्र में 5,7,8,9,13,14 और 15 नवंबर को आठ दिन में मप्र में ताबड़तोड़ 14 सभाएं करेंगे। इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज रीवा पहुंचकर प्रचार का शंखनाद करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी दौरे तय हो गए हैं। उमप्र के सीएम योगी 7, 8 और 14 नवंबर को प्रदेश की अलग-अलग विधानसभाओं में 10 जनसभाएं लेंगे। इसके पहले केंद्रीय अमित शाह 4 नवंबर को शिवपुरी जिले में करेरा-पिछोर विधानसभा क्षेत्र में रथयात्रा करेंगे। अमित शाह यहां से श्योपुर और फिर ग्वालियर पहुंचेंगे। इसके बाद शाह 11,12 और 13 नवंबर को प्रदेश के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में ताबड़तोड़ सभाएं करेंगे।

कांग्रेस करप्शन, कम्युनल, कमीशन, क्रिमिनल पॉलिटिक्स करती है

केंद्रीय अमित शाह ने करैरा में सभा को संबोधित किया और कहा

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के साथ राहुल गांधी और कमलनाथ पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ ने साढ़े तीन सौ करोड़ का मोजरबेयर घोटाला किया। इसके बाद कमलनाथ ने 2400 करोड़ रुपए के अगस्ता वेस्टलैंड और 600 करोड़ का इब्को घोटाला किया। फिर कमलनाथ सरकार में 25 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी का घोटाला किया गया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह शिवपुरी जिले के करैरा में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कमलनाथ मध्य प्रदेश में डेढ़ साल रहे। ऐसा नहीं है कि उन्होंने कुछ काम नहीं किए। उन्होंने यहां कमीशनखोरी का उद्योग शुरू कर दिया था। तबादला उद्योग लगाने का काम किया। बेटा-दामादों के कल्याण का उद्योग स्थापित किया। भ्रष्टाचार की इंडस्ट्री लगाने का काम किया। शिवराज जी की 51 से ज्यादा गरीब कल्याण योजनाएं बंद कर दी। मुझे पता है कि कमलनाथ आने वाले नहीं हैं। भगवान न करें, कमलनाथ आ गया तो किसानों को 12 हजार मिलना भी बंद हो जाएगा। लाड़ली बहना योजना भी बंद हो जाएगी। शाह के साथ केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी जनसभाओं को संबोधित किया।

शाह ने अपनी चुनावी सभाओं में 2003 के पहले रही दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कई साल तक मध्य प्रदेश को अंधेरे में रखा। बीमारू राज्य बनाकर रखा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी 4सी फॉर्मूले पर चलती है। करप्शन, कम्युनल दंगे, कमीशन और क्रिमिनल की पॉलिटिक्स करती है। मध्य प्रदेश को 4सी से निकालकर विकास की धारा में लाने के लिए भाजपा को वोट देना जरूरी है।

भाजपा की सरकार ने 18 साल के कार्यकाल में मध्य प्रदेश को बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया है। गरीबों, दलितों, शोषितों, वंचितों के कल्याण का काम किया। 20 साल पहले श्रीमान बंटाढार की सरकार थी तब सड़क ऐसी थी क्या? सिंचाई की व्यवस्था ऐसी हुई थी क्या? घर-घर बिजली आती थी क्या? 2003 में जब कांग्रेस मध्य प्रदेश छोड़कर गई तब यहां का बजट 23 हजार करोड़ रुपये का था। 2023 में मध्य प्रदेश सरकार का बजट तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का था। हर साल एमएसएमई के चार हजार रजिस्ट्रेशन होते थे। आज यह रजिस्ट्रेशन बढ़कर तीन लाख से अधिक हो गए हैं। मेडिकल सीटें 620 थी, जो बढ़कर चार हजार से अधिक हो गई है। आईआईटी की सीटें बढ़ाई हैं। पर्यटक 64 लाख आते थे, अब नौ करोड़ आते हैं। यह पूरा परिवर्तन भाजपा की सरकार ने किया।

मैं कांग्रेस को राम मंदिर का निमंत्रण देने आया हूं

केंद्रीय मंत्री शाह ने इस दौरान अयोध्या में बन रहे राम जन्मभूमि मंदिर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जहां भगवान राम का जन्म हुआ, वहां मंदिर बनना था या नहीं? कांग्रेस पार्टी 70 साल से मंदिर के प्रश्न को लटका, अटका और भटका रही थी। मोदी जी ने एक दिन सुबह चुपचाप जाकर भूमिपूजन किया। मैं तो निमंत्रण देने आया हूं। 22 जनवरी को वहां पर प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। राहुल बाबा को जवाब देना चाहता हूं। 2019 में मैं भाजपा का अध्यक्ष था। राहुल बाबा पूरे देश में गदर मचाते थे। कहते थे कि- मंदिर वहीं बनाएंगे मगर तिथि नहीं बताएंगे। राहुल बाबा तिथि सुन लो। 22 जनवरी 2024 को दोपहर साढ़े 12 बजे रामलला प्रस्थापित होने वाले हैं। हमने सिर्फ अयोध्या मंदिर का काम नहीं किया। उज्जैन में महाकाल लोक और काशी विश्वनाथ का कॉरिडोर बनाया। सोमनाथ का मंदिर सोने का बन रहा है। बद्रीनाथ और केदारनाथ का भी पुनरोद्धार भी मोदी जी ने किया है।

4सी फॉर्मूले पर चलती है कांग्रेस

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कांग्रेस पार्टी 4सी फॉर्मूले पर चलती है। करप्शन, कम्युनल दंगे, कमीशन और क्रिमिनल की पॉलिटिक्स करती है। मध्य प्रदेश को 4सी से निकालकर विकास की धारा में लाने के लिए भाजपा को वोट देना जरूरी है। कांग्रेस की सरकार थी तो केंद्र सरकार ने दस साल में दो लाख करोड़ रुपये मध्य प्रदेश को भेजे थे। मोदी जी ने नौ साल में 7 लाख 25 हजार करोड़ रुपये मध्य प्रदेश को सिर्फ ग्रांट के रूप में भेजे हैं। सड़क, रेलवे, एविएशन् और इंस्टिट्यूशन का मिलाकर और आठ लाख रुपये भेजे हैं। सभी योजनाओं को मिलाकर नौ साल में 20 लाख करोड़ रुपये भेजे हैं।

कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला का बड़ा आरोप

मप्र में 15-15 लाख में बेची पटवारी की नौकरियां

***भोपाल,।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मप्र कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश में 15-15 लाख में पटवारी की नौकरी बेची गई। पटवारी घोटाले में हुए पेपर लीक की एफआईआर छुपाई गई। एफआईआर में पटवारी भर्ती घोटाले की विस्तृत जानकारी थी। लेकिन 4 अप्रैल 2023 से 25 अप्रैल 2023 तक पटवारी भर्ती घोटाले खुलेआम चलता रहा। जब घोटाला 4 अप्रैल को खुल गया था तो परीक्षा 25 अप्रैल तक क्यों करवाई गई?*

सुरजेवाला ने शुक्रवार को भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पटवारी घोटाला शिवराज सरकार के संरक्षण में हुआ। कांग्रेस सरकार आने के बाद इन घोटालों की जांच होगी। भाजपा सरकार नौकरियों को मंडी लगाकर बेचती है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर राजस्थान की तरह भर्ती को लेकर एक कानून बनाएंगे।

-जनता गब्बर का अंत करेगी

सुरजेवाला ने सीएम शिवराज के जय, वीरू और श्याम झेनु के बयान पर कहा कि ये गब्बर गैंग है। कालिया कौन है और सांभा कौन है? अब ज्यादा बोलूंगा तो बुरा लग जाएगा। उन्होंने कहा कि गब्बर गैंग का अंत मध्यप्रदेश की जनता करेगी।

चुनाव को प्रभावित करना चाहती है भाजपा

सुरजेवाला ने छत्तीसगढ़ के बाद मप्र में ईडी और इंकम टैक्स की कार्रवाई पर कहा कि मप्र में भी दो दिनों से ईडी और इंकम टैक्स के अधिकारी डेरा डाले हुए हैं। ईडी और इंकम टैक्स के अधिकारी मप्र में रहकर लोगों पर दबाव बना रहे हैं। भाजपा हार के डर से ईडी और इंकम टैक्स के सहारे मप्र में चुनाव को प्रभावित करना चाहती है।

गुजरात के संकेतों ने मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में आदिवासियों से बढ़ाई भाजपा की उम्मीदें

भोपाल। मध्य प्रदेश में सत्ता की चाबी आदिवासी मतदाताओं के हाथों में है। यह अतिश्योक्ति नहीं, बल्कि पिछले कई चुनावों के परिणामों का विश्लेषण बताता है। खास बात यह है कि पड़ोसी राज्यों के आदिवासी समुदाय का वोट पैटर्न एक जैसा ही रखता है। इसकी झलक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ गुजरात में भी दिखाई पड़ती है। ऐसे अनुमान भाजपा की उम्मीद बन रहे हैं, क्योंकि 2022 में गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने एसटी आरक्षित 27 सीटों में से 23 पर जीत दर्ज करते हुए सत्ता बरकरार रखी है। गुजरात के इन्हीं परिणाम से मप्र व छग की उम्मीदों को पंख लगा रहे हैं। इससे पहले भी जब गुजरात में 2017 में विधानसभा चुनाव हुए थे तो कांग्रेस को 27 में से 15 सीट मिली थीं, उन्हीं चुनाव के बाद जब 2018 में मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में चुनाव हुए तो आदिवासी वोट में कमी के चलते ही भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी।

चुनाव में संघ सक्रिय, भारत माता के नाम पर वोट की अपील

भोपाल। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव को लेकर संघ सक्रिय हो गया है। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत माता के चित्र के साथ शत प्रतिशत मतदान की अपील करेगा। आरएसएस सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल कर इसे डीपी पर लगाने का अभियान भी चलाएगा। चुनाव में सक्रियता को लेकर अभी संघ की ओर से कोई बयान भी नहीं आया है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने में अब से कुछ ही दिन बचे हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी सक्रिय हो गया है। संघ पर्दे के पीछे रहकर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में सीधे प्रचार करने की बजाय देशहित में शत प्रतिशत मतदान करने की अपील करेगा। आरएसएस के लोगो के केंद्र में अखंड भारत के नक्शे के साथ भारत माता का फोटो.. ? के चिह्न के साथ शत प्रतिशत मतदान राष्ट्रहित में मतदान लिखा हुआ है। इसके अलावा अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर हर गली मोहल्ले के मंदिर में भजन-कीर्तन और कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट की भी तैयारी अभी से शुरू हो गई है। संघ का फोकस समान नागरिक संहिता लागू कराने पर भी है।

कमाई में पतियों से कई गुना आगे हैं ये अभिनेत्रियां

बी टाउन में कई ऐसी हसीनाएं हैं। जिनकी पॉपुलैरिटी उनके पतियों से भी ज्यादा है। ऐसे में वो उनकी कमाई भी अपने पति से कई गुना ज्यादा है। चलिए देखते हैं इस लिस्ट में कौन-कौन शामिल है...।

दीपिका पादुकोण- सबसे पहले बात करते हैं बीटाउन की डिंपल गर्ल यानि दीपिका पादुकोण की। जिनका नाम इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। दीपिका ने एक्टर रणवीर सिंह से शादी की है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि वो अपने पति से ज्यादा कमाई भी करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका की टोटल नेटवर्थ 366 करोड़ रुपए है।

करीना कपूर - अब बात करते हैं बॉलीवुड की फैशन आइकॉन यानि करीना कपूर की। जिन्होंने एक्टर सैफ अली खान से शादी की है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि करीना कपूर अपने पति से कई गुना ज्यादा कमाई करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना की नेटवर्थ करीब 60 मिलियन डॉलर है।

आलिया भट्ट - बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने चार्मिंग एक्टर रणबीर कपूर के साथ शादी की है। दोनों अब एक बेटी के पेरेंट्स भी बन चुके हैं। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि आलिया के पास हमेशा रणबीर से ज्यादा काम रहता है और वो उनसे कई गुना ज्यादा कमाई करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट की टोटल नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए है।

कियारा आडवाणी- ये तो सभी जानते हैं कि खूबसूरती एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने इसी साल सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ में शादी की थी। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि एक्ट्रेस को अपने पति सिद्धार्थ से ज्यादा काम मिलता है। इसलिए वो उनसे ज्यादा कमाई करती हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस की नेटवर्थ 35 से 40 करोड़ रुपए के बीच है।

इस एक्टर की वजह से कभी दुल्हन नहीं बन पाई तब्बू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू को उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाना जाता है। हर फिल्म में उन्होंने अपने रोल और एक्टिंग से लोगों को चौंकाया है। सिल्वर स्क्रीन से लेकर ओटीटी तक, तब्बू ने बेहतरीन काम किया है। वैसे तब्बू प्रोफेशनल से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा सुर्खियों में रहती हैं। हैरानी वाली बात है कि उन्होंने आज तक किसी को अपना जीवनसाथी नहीं बनाया है। 4 नवंबर को तब्बू का जन्मदिन होता है। अब वह 52 साल की हो गई हैं। इस मौके पर हम आपको बताते हैं कि किस एक्टर की वजह से तब्बू की आज तक दुल्हन नहीं बन पाई हैं।

अजय और तब्बू की बॉन्डिंग छुपी नहीं है

अजय देवगन के साथ तब्बू की बॉन्डिंग छुपी नहीं है। दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती है। अजय और तब्बू ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। 90 के दशक से लेकर 2023 तक दोनों कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं और ये सिलसिला विजयपथ। से शुरू हुआ था। ये तब्बू और अजय देवगन की पहली फिल्म थी। हालांकि, तब्बू ने एक बार मजाक में कहा था कि अजय देवगन की वजह से उनकी शादी नहीं हो पाई है। एक इंटरव्यू के दौरान तब्बू ने बताया कि, अजय और मैं एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। वह मेरे कजिन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड थे।

समय के साथ हमारे बीच दोस्ती हो गई। जब मैं यंग थी तो समीर और अजय मेरी जासूसी करते थे। मुझ पर नजर रखते थे। जब कोई लड़का मुझसे बात करने की कोशिश करता, तो उसे मारने-पीटने की धमकी देते थे। दोनों बड़े गुंडे थे और आज मैं सिंगल रह गई हूं, तो इसकी वजह से सिर्फ अजय है। मुझे उम्मीद है कि उसे अपने किए पर पछतावा होगा।

कलर्स ने सामाजिक परिवर्तन लाने हेतु 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल का समर्थन करने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ हाथ मिलाया

इस अपनी तरह के अनोखे सहयोग से उन्हें अपने नवीनतम शो 'डोरी' के माध्यम से बालिका परित्याग के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिलेगी

भारत की अग्रणी हिंदी जीईसी, कलर्स ने अपने नए फिक्शन शो डोरी को लॉन्च करके बालिका परित्याग के मुद्दे को संबोधित करने के लिए, आज महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। टेलीविज़न ने एक माध्यम के रूप में समाज को आइना दिखाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है और कई महिलाओं को बदलाव का स्रोत बनने के लिए प्रेरित किया है। सामाजिक बदलाव लाने और बालिकाओं के प्रति लैंगिक पक्षपात को दूर करने के उद्देश्य से, इस सहयोग के माध्यम से कलर्स का उद्देश्य बालिका परित्याग की सामाजिक बुराई के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस विषय पर एक प्राइमटाइम शो लॉन्च करने के अलावा, इस सहयोग के तहत, कलर्स देश भर में किसी भी परित्यक्त बालिका हेतु सहायता चाहने वालों के लिए 24 घंटे की आपातकालीन टोल फ्री चाइल्डलाइन इंडिया हेल्पलाइन नंबर (1098) का प्रचार करेगा। कलर्स पर हर सोमवार से शुक्रवार रात 9ः00 बजे प्रसारित होने वाले शो 'डोरी' का उद्देश्य लोकप्रिय संवाद पैदा करना और इस तरह से बालिका परित्याग के मुद्दे पर जागरूकता फैलाना है। महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, माननीय श्रीमती स्मृति ईरानी कहती हैं, जिस तरह किसी देश की प्रगति इस बात से निश्चित होती है कि वहां महिलाओं और बच्चों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है, उसी तरह मनोरंजन का प्रभाव इस बात से निर्धारित होता है कि वह मानसिकता को कैसे बदल सकता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के माध्यम से लड़कियों के प्रति दृष्टिकोण बदलने में काफी प्रगति की है। मुझे खुशी है कि हमारे देश का अग्रणी मनोरंजन चैनल कलर्स बालिका परित्याग की महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर नजरअंदाज़ की जाने वाली समस्या पर एक शो डोरी बनाने के लिए, इस पहल में शामिल हो गया है। चैनल दर्शकों के बीच हमारी चाइल्डलाइन इंडिया 1098 हेल्पलाइन के बारे में जागरूकता फैलाएगा और इस पहल को बेहद आवश्यक लोकप्रिय समर्थन देगा। ब्रॉडकास्ट एंटरटेनमेंट, वायाकॉम18 के सीईओ, केविन वाज़ कहते हैं, ÷हम अपने नए शो, डोरी और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के माध्यम से बालिका परित्याग के प्रचलित मुद्दे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महिला और बाल विकास मंत्रालय के साथ सहयोग करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

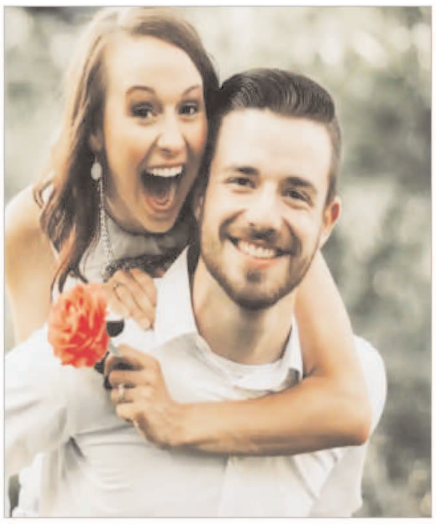

सगाई के बाद रिश्ते में न आने दें खटास रखें इन बातों का ध्यान

हर किसी के लिए शादी उसकी जिंदगी का सबसे अहम पल होता है, जिसका इंतजार हर किसी को बड़ी बेसब्री के साथ होता है। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी से पहले सगाई कराई जाती है, जिसके बाद से कपल आपस में बातचीत शुरू कर देते हैं। अगर लव मैरिज है तो इसमें लड़का और लड़की दोनों को एक-दूसरे से जुड़ी तमाम चीजों का पता होता है पर, अरेंज मैरिज का सीन अलग होता है। अरेंज मैरिज में बातचीत का सिलसिला शुरू होने के बाद कपल्स अच्छे से एक-दूसरे को जानने-पहचानने लगते हैं। इसका सीधा असर आगे बनने वाले रिश्ते पर पड़ता है। ऐसे में चाहे लड़का हो या लड़की, उसे अपने पार्टनर से बात करते वक्त कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। दरअसल, कई बार आपकी कही हुई बात या किया हुआ कोई एक्शन आपके रिश्ते को बिगाड़ सकता है। इसी के चलते आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिनका आपको सगाई से शादी के बीच के समय में खास ध्यान रखना है।

ना करें बहुत ज्यादा बातें

अगर आपकी सगाई और शादी के बीच काफी समय

है तो भी अपने पार्टनर से ज्यादा बातें ना करें। अगर आप पूरे दिन उनसे बाते करते रहेंगे तो इसका असर आपके रिश्ते पर पड़ सकता है या हो सकता है आपके पार्टनर को लगने लगे कि आप तो हर वक्त फ्री ही रहते हैं।

करें एक-दूसरे का सम्मान

अपने पार्टनर से बात करते वक्त उसके सम्मान का ख्याल रखें। बिल्कुल भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल ना करें। शादी के रिश्ते में एक-दूसरे का सम्मान काफी अहम होता है।

ना दिखाएं रौब

गलती से भी अपने पार्टनर पर रौब ना दिखाएं। अगर आपको आपके पार्टनर की कोई बात अच्छी नहीं लगी है तो भी उसे प्यार से समझाएं। रौब दिखाने से आप खुद अपनी इमेज खराब कर लेंगे।

ना करें परिवार की बुराई

हर कोई ये चाहता है कि उनका पार्टनर उनके परिवार का सम्मान करे। ऐसे में अपने पार्टनर के साथ-साथ उनके परिवार का भी सम्मान करें। कभी अपने पार्टनर से उनके परिवार की बुराई ना करें। परिवार को लेकर कोई ऐसी बात न कहें, जो सामने वाले को सुनने में बुरी लगे। ऐसी बातें सीधा दिल दुखाती हैं, जिसका प्रभाव आपके रिश्ते पर पड़ सकता है।

इस दिवाली अपनाएं ये फैशन टिप्स

बाल,ज्वैलरी से लेकर जान लें सब कुछ

दिवाली नजदीक ही है। हमें इस त्योहार की खुशियों, उमंग और उत्साह का अहसास सभी से होने लगा है। यह साल का वह समय होता है, जब हम तरह-तरह की पार्टियों में शामिल होते हैं। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हैं,

अपने प्रियजनों से गिफ्ट का आदान-प्रदान करते हैं और त्योहार के पांचों दिन अलग-अलग और बेहतरीन पोशाकों में सजते-संवरते हैं। इन गतिविधियों की प्लानिंग में काफी मेहनत करनी पड़ती है। एक पहलू यह है कि किस पार्टी में हम किस तरह से कपड़े पहनें और उसमें हमारा लुक कैसा होना चाहिए। यह इस बात पर निर्भर करता है कि पार्टी कहां दी जा रही है। तो अगर आप आने वाले दिनों में दिवाली की कई पार्टियों में शामिल होने वाले हैं और इन पार्टियों में अपने लुक को समय से पहले प्लान करना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कई टिप्स दिए गए हैं, जिससे आपको त्योहार के मौके पर अपनी बेहतर फैशन सेंस के साथ तैयार होने का मौका मिलेगा।

ट्रेडिशनल वेयर्स से लगाएं ग्लैमर का तड़का

दिवाली एक ऐसा त्योहार है, जो हमारी परंपराओं और संस्कृति का प्रतीक है। तो महिलाओं के लिए इस मौके पर साड़ी या सलवार-सूट और पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा पहनना अच्छा रहेगा। आप इस लुक को हैवी एक्सेसरीज पहनकर शानदार बना सकते हैं। इसके साथ सोने का हार और पेंडेंट वाली चेन पहनी जा सकती है, जो आपके लुक में चार चांद लगा देगी। महिलाएं इस लुक को पारंपरिक और आकर्षक पर्स कैरी कर कंप्लीट बना सकती है, जिस पर जरी या शीशे का भारी काम हो।

इंडो-वेस्टर्न लुक भी कर सकते हैं ट्राय

पार्टी के हिसाब से आप दिवाली पर फ्यूजन लुक भी ट्राय कर सकती हैं। सलवार-कुर्ते की जगह शॉर्ट कुर्ती को सिगरेट पेंट्स के साथ टीमअप करें। इसके साथ बड़े ईयररिंग्स, ब्रेसलेट वॉच, कमर पर बेल्ट कैरी कर आप अपने पर्सनैलिटी को बिना किसी एक्स्ट्रा एफर्ट के स्टाइलिश बना सकती हैं।

चुनें कंफर्टेबल आउटफिट्स

ऑफिस की दिवाली पार्टी में आपका लुक न बहुत ज्यादा सादा होना चाहिए और न ही बहुत भड़कीला। तो इसके लिए स्टाइल की जगह कपड़ों के कलर पर फोकर करें। गुलाबी, नीले, भूरे, हरे और पीले रंग की पोशाकें न ज्यादा फीकी लगेंगी और न ही भड़कीली। इस रंग के कपड़े महिलाएं ही नहीं पुरुष भी पहन सकते हैं। रंगबिरंगे मोतियों की जूलरी के साथ आसान हेयरस्टाइल आपको पार्टी के लिए शानदार क्लासिक लुक देगी।

फैमिली पार्टी में दिखाएं अपना ग्लैमरस लुक

इस समय पोशाकों में रेशमी कपड़ों का पॉपुलर ट्रेंड वापस लौटा है, जिसमें शरारा, लहंगा, साड़ी और सूट शामिल है। केवल महिलाएं ही नहीं, इन दिनों पुरुष भी तरह-तरह के सिल्क से बने कपड़ों जैसे शर्ट, कुर्ते और इंडोवेस्टर्न सूट्स को अपना रहे हैं। यह आउटफिट्स स्टाइलिश, वैराइटी लिए और पहनने में आसान होने के साथ किसी भी लुक को आकर्षक बना देते हैं।

गहनों को स्टार ऑफ द शो बनाइए

हमें हमेशा यह बताया जाता है कि खास मौकों पर अच्छे लुक्स के लिए हैवी कपड़े और लाइट जूलरी पहननी चाहिए। इस अवसर पर कुछ अलग ट्राई करना कैसा रहेगा।

इससे आपकी जूलरी पार्टी में आपको आकर्षण का केंद्र बना देगी। चाहे आपके पास गोल्ड, रोज़ गोल्ड, डायमंड, मोतियों की या चांदी की जूलरी हो।

दिवाली पर लाइट्स से घर सजाते वक्त इन हेकस का करें इस्तेमाल

दिवाली जलदी ही आने वाली है। ऐसे में लोगों ने सजावट करना और सामान खरीदना शुरू कर दिया है। दिवाली पर एक ऐसी सजावट की चीज है, जिसे हर साल इस्तेमाल किया जाता है और वो हैं लाइट्स। हर कोई अपने घर को लाइट्स से जरूर सजाता है। खासतौर पर रात के समय लाइट्स की मदद से हमारा घर खिल उठता है। इस आर्टिकल में जानें कि आप किन-किन तरीकों से लाइट्स की मदद से अपने घर को सजा सकते हैं।

लाइट्स से बनाएं Zig-Zag डिजाइन

लाइट्स को सिंपल तरीके से सजाने की बजाए आप कुछ खास तरीके से लगाएं। इससे आपके घर काफी अलग और खूबसूरत लगेगा। सीधी-सीधी लाइट्स हर कोई लगाता है, आप अपने घर को खास बनाने के लिए लाइट्स से Zig-Zag डिजाइन बना सकते हैं। इस डिजाइन से घर काफी अच्छा लगता है।

लाइट्स से गार्डन बनाएं

लाइट्स से गार्डन को सजाने के लिए आप सिंपल तरीके के साथ-साथ कांच के जार में भी डालकर लाइट्स को लगा सकते हैं। ऐसा करने से अंधेरे में लाइट्स की लुक बहुत अच्छी आती है और पूरा घर खिल उठता है।

पर्दों के साथ लगाएं लाइट्स

आप पर्दों के साथ भी लाइट्स से अपने घर को सजा सकते हैं। ऐसा करने से आपके पर्दे काफी अच्छे लगेंगे और घर के बाहर के साथ-साथ अंदर से भी खास लुक आएगा।

दीपक साथ सजाएं लाइट्स

आज दीपक को भी लाइट्स की मदद से सजा सकते हैं। इसके लिए आपको दीपक के आसपास के हिस्से में लाइट्स लगानी है। इससे भी आपका घर काफी अच्छा लगेगा।

नामांकन वापसी के बाद तस्वीर साफ, देपालपुर-महू में बागी बिगाड़ेंगे समीकरण

जिले की 9 सीटों पर 94 उम्मीदवार मैदान में, सबसे ज्यादा इंदौर-5 में 17 उम्मीदवार

इंदौर। विधानसभा चुनाव को लेकर 2 नवम्बर तक नाम वापसी का समय पूरा हो जाने के बाद अब इंदौर की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। गुरुवार को कुल 10 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिए। मुख्य पार्टी भाजपा और कांग्रेस के बागी प्रत्याशियों को लेकर जो मान-मनौव्वल चल रही थी वह इस बार खास काम नहीं आई। इस बार मौजूदा स्थिति के अनुसार 9 विधानसभा सीटों के लिए 94 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें सबसे ज्यादा विधानसभा-5 में 17 प्रत्याशी व सबसे कम विधानसभा सांवेर में 7 प्रत्याशी मैदान में हैं।

विधानसभा-3 के बागी हुए भाजपा प्रत्याशी अखिलेश शाह ने आखिरकार अंतिम दिन अपना नामांकन वापस ले लिया। दूसरी ओर देपालपुर से भाजपा के बागी प्रत्याशी राजेंद्र चौधरी मैदान में हैं। वहीं महू में भी कांग्रेस से बागी प्रत्याशी अंतर सिंह भी निर्दलीय के रूप में मैदान में हैं। ऐसे में अब

संभव है कि इन दोनों सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला होगा और दोनों मुख्य पार्टियों के प्रत्याशियों के गणित भी बिगड़ेंगे। इंदौर की 9 सीटों पर अब कुल 94 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 17 उम्मीदवार इंदारै-5 से और सबसे कम 6 उम्मीदवार इंदौर-1 से किला लड़ा रहे हैं।

गुरुवार को दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी का समय था। इसके पूर्व बुधवार रात को और सुबह तक अलग-अलग माध्यमों से बागियों को मनाने का प्रयास किया गया। इस बीच इन बागियों के पास वरिष्ठ नेताओं के फोन भी घनघनाए और मनाने की कोशिश की। इसमें विधानसभा-3 से भाजपा के बागी प्रत्याशी अखिलेश शाह है जिनकी टिकट न मिलने के कारण शुरू से ही नाराजगी थी, वे आखिरकार मान गए और नामांकन वापस लिया। ऐसे में अब भाजपा प्रत्याशी गोलू शुक्ला की राह जरूर कुछ आसान हुई है। इस सीट से आखिरी दिन चार अन्य प्रत्याशियों ने भी अपने नामांकन वापस लिए हैं।

नामांकन वापसी के बाद अखिलेश शाह ने कहा कि हमारी तीन मां हैं। पहली मां जन्म देने वाली जिसने मुझे आदेशित किया कि आज जाकर नामांकन वापस लेना है। दूसरी मां भारत माता है जिनमें रहवासी हैं, मातृ शक्तियां हैं जिनके लिए काम करते हैं। उनका कहना है कि मेरे कारण समाज का नुकसान हो रहा है जिस भगवा ध्वज के तले मैं काम कर रहा हूं, उसका नुकसान हो रहा है। तीसरी मां संघ व भाजपा है जिसके लिए हम काम करते हैं। वहां के जितने सक्रिय सदस्य हैं वे चाहते हैं कि मैं आगे जाकर विधानसभा 3 का नेतृत्व करू इसलिए इन माताओं का आदेश सर्वोपरि है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुझ पर पार्टी का दबाव नहीं था।

ऐसे ही देपालपुर में भी भाजपा के ही बागी प्रत्याशी राजेंद्र चौधरी को मनाने की कोशिश की गई लेकिन वे नहीं माने। उनका और समर्थकों का शुरू से ही भाजपा प्रत्याशी मनोज पटेल को लेकर विरोध है जो नामांकन वापसी के दिन भी रहा। खास बात यह कि गुरुवार को वे पूरी तरह प्रचार में लगे रहे। उनके नजदीकियों ने बताया कि वे नामांकन वापस नहीं लेंगे, इसे लेकर शुरू से वरिष्ठ नेताओं व पार्टी संगठन को अवगत करा दिया। इस तरह अब उनके निर्दलीय होने से संभव है कि भाजपा प्रत्याशी मनोज पटेल के समीकरण बिगड़ सकते हैं। उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी विशाल पटेल हैं।

महू सीट से कांग्रेस के बागी अंतर सिंह दरबार को लेकर पार्टी का एक धडा शुरू से ही निश्चिंत था कि वे नामांकन वापस नहीं लेंगे। हालांकि उन्हें भी मनाने कि कोशिश की गई लेकिन वे नहीं माने। इस बुधवार को उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर अपना रुख भी स्पष्ट कर दिया। ऐसे में यहां भी अब महू में एक तरह से त्रिकोणीय मुकाबला है। दरबार के निर्दलीय खड़े होने से यहां के कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र शुक्ला के समीकरण बिगड़ सकते हैं वहीं भाजपा प्रत्याशी उषा ठाकुर को लेकर समर्थकों का मानना है कि इसका लाभ भाजपा को ही मिलेगा।

गुरुवार तो नामांकन वापसी की तारीख निकलने के बाद अब स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हुई हैं। इसमें इस बार इंदौर-1 से 15, इंदौर-2 से 11, इंदौर-3 से 10, इंदौर-4 से 13, इंदौर-5 से 18, राऊ से 13, महू से 17, देपालपुर से 17 और सांवेर से 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। ये प्रत्याशी भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी, जनता कांग्रेस, रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया, आम अधिकार पार्टी, हिन्दू महासभा. आजाद समाज पार्टी, आम भारतीय पार्टी व अन्य पार्टियों से हैं।

विधानसभा 1 में संजय शुक्ला का जनसंपर्क

जनता के बीच पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी, बोले पानी की समस्या वाले क्षेत्रों में कराएंगे नए बोरिंग

इंदौर। विधानसभा 1 के कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने गुरुवार को वार्ड 9 में अपना जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने जनता से यहां की समस्या जानी और इन समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के समस्या वाले क्षेत्रों में नए बोरिंग भी कराए जाएंगे।

व्यापारियों-दुकानदारों से की मुलाकात- कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने वार्ड क्रमांक 9 में जनसंपर्क किया। इसकी शुरूआत वृंदावन कालोनी चौराहा से की गई। जनसंपर्क के दौरान चौराहे और मेन रोड के व्यापारी और दुकानदारों ने भी मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। व्यापारी और दुकानदारों ने स्वागत किया। साथ ही वार्ड की हर कॉलोनी, गली और मोहल्ले में शुक्ला का स्वागत किया गया। शुक्ला ने वार्ड 9 की वृंदावन कॉलोनी खासगी का बगीचा, कुमारखाड़ी, नार्थ गाडरा खेड़ी, रघुवंशी कॉलोनी, ब्रह्मबाग, साउथ गाड़रा खेड़ी, शेषाद्री कॉलोनी और दुर्गा कॉलोनी में जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के युवा भी उनके साथ पैदल चलें। जनसंपर्क में मुख्य रूप से सर्वेश तिवारी, प्रवेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घमंड में डूबी कांग्रेस को हम सब मिलकर जबाब देंगे-रमेश मेंदोला

भाजपा के प्रति आप लोगों के स्नेह और विश्वास से जलकर एमपी के लोगों को राक्षस मानती है कांग्रेस

इंदौर। लोगों के स्नेह के बल पर पिछले तीन चुनाव से पूरे देश में जीत का रिकार्ड बना रहे क्षेत्र 2 के विधायक और भाजपा प्रत्याशी रमेश मेंदोला के जनसंपर्क में आज जनसैलाब उमड़ पड़ा। अपने लाड़ले दादा दयालु के स्वागत में लोगों ने होली और दिवाली दोनों की खुशीयां एक साथ मनाई। ऐसा लग रहा था मानों दोनों त्योहार एक साथ मना रहे है। एक तरफ आसमान को रोशन करती हुई आतीशबाजीयां चल रही थी तो दूसरी तरफ फुल और गुलाल की बरसात हो रही थी। श्री मेंदोला ने अपने जनसंपर्क की शुरूआत आज वार्ड 31 के बापू गांधीनगर से की उन्होने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस विपक्ष में है फिर भी उसे इतना घमंड है कि उसके नेता मध्यप्रदेश और अपने क्षेत्र के लोगों को, आपको और हमकों राक्षस कहते है। जबकी भाजपा प्रदेश कि और अपने क्षेत्र के लोगों को अपना परिजन परिवार और भगवान मानती है। हम सब को मिलकर कांग्रेस को यह बताना है कि हम राक्षस नहीं बल्कि भगवान राम के आराधक है।

केंद्रीय रेल. संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव जी विधानसभा 2 के मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करेंगे एवं आईटी मंत्री के हाथों ही क्षेत्र 2 की विकास गाथा की हाईटेक डिजिटल बुक का लोकार्पण भी होगा, जिसमें विधानसभा क्षेत्र 2 में विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी द्वारा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों का समग्र वर्णन होगा। मंडल प्रभारी श्री वीरेंद्र व्यास, मंडल अध्यक्ष श्री सतपाल सिंह खालसा, वार्ड 31 के पार्षद बालमुकुंद सोनी, अंबेडकर मंडल के महामंत्री धनसिंग दांगी, गुड्डू कुमार,मंडल उपाध्यक्ष रणवीर रघुवंशी,समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)